# बदला मौसम का मिजाज, बारिश से भीगी सड़कें-बढ़ी ठंडक

**▶ वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से बारिश शुरू, 3 दिन तक रहेगा असर**

नवभारत न्यूज

**रतलाम।** शहर सहित जिले में गुरुवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली। दिनभर चुभन वाली गर्मी के बावजूद बादलों की आवाजाही के बाद शाम होते-होते मौसम का मिजाज बदल गया। करीब 4:30 बजे अचानक तेज बारिश शुरू हुई, जो लगभग 20 मिनट तक जारी रही। इस बारिश से शहर की प्रमुख सड़कों सहित गलियां पूरी तरह भीग गईं और जगह-जगह पानी जमा हो गया।

बारिश के थमने के बाद कुछ देर तक मौसम सामान्य रहा, लेकिन रात होते-होते एक बार फिर आसमान में बादल घिर आए और तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। यह बारिश देर रात तक रुक-रुक कर जारी रही, जिससे पूरे शहर में ठंडक बढ़ गई। लगातार

बारिश के चलते लोगों को दिनभर की गर्मी और उमस से राहत मिली। मौसम विभाग द्वारा पहले ही क्षेत्र में बारिश की संभावना जताई गई थी, जो गुरुवार को पूरी तरह सही साबित हुई। अचानक बदले मौसम से लोगों को जहां राहत मिली, वहीं कई स्थानों पर आवागमन भी प्रभावित हुआ।

### रावटी में भी बारिश

शहर के अलावा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी मौसम का असर देखा गया। रावटी क्षेत्र में दोपहर के समय ही बारिश हो गई थी, जिससे वहां का मौसम पहले ही सुहावना हो गया था। इसके बाद शाम और रात की बारिश ने पूरे जिले का तापमान गिरा दिया। बारिश के बाद वातावरण में ठंडक घुल गई है और मौसम खुशनुमा हो गया है, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

### दिन दिखेगा विक्षोम का असर

मौसम विभाग के अनुसार वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोम) के चलते प्रदेश में मौसम बदल रहा हैं। इससे रतलाम में भी कम दबाव का क्षेत्र बना हैं। इस विक्षोम के असर से जिले में कुछ स्थानों पर बारिश हो रही है। अनुमान लगाया जा रहा है कि विक्षोम का अलगे 3 दिन तक असर दिखोगा।

## 'विक्रमोत्सव' में दिखा संस्कृति, श्रद्धा और इतिहास का संगम

**▶ वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर विक्रमोत्सव का आयोजन**

नवभारत न्यूज

**रतलाम।** सृष्टि आरंभ दिवस वर्ष प्रतिपदा तथा विक्रम संवत 2083 के शुभारंभ अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा 'विक्रमोत्सव' का आयोजन कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के निर्देशन में गुलाब चक्कर में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में महापौर प्रहलाद पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, नगर निगम अध्यक्ष मनीषा शर्मा, कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह, जिला पंचायत सीईओ सुश्री वैशाली जैन, एसडीएम आर्ची हरित, डिप्टी कलेक्टर राधा महंत, डिप्टी कलेक्टर संजय शर्मा, पीओ डूडा अरुण पाठक, महर्षि शिव शंकर दवे, पंकज भाटी, सेवा वीर परिवार, गायत्री परिवार सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में अखंड ज्ञान आश्रम के महामंडलेश्वर देव स्वरूपानंद भी विशेष रूप से आमंत्रित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ आमंत्रित अतिथि गणों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन तथा ब्रह्म ध्वज पूजन के साथ किया गया। आमंत्रित अतिथि गणों का स्वागत अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती आर्ची हरित के द्वारा किया गया। विक्रम संवत की जानकारी रत्नेश विजयवर्गीय द्वारा प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर ब्रह्म ध्वज स्थापना, सूर्य देव को अर्क आदि गतिविधियों के साथ भोपाल से आए कलाकारों के दल द्वारा सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित नाटक का मंचन भी किया गया।

कार्यक्रम को महापौर, भाजपा जिला अध्यक्ष ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन तथा आभार प्रौढ़ शिक्षा विभाग के ब्लाक कोऑर्डिनेटर डॉ. रवीन्द्र उपाध्याय ने किया।

### एक नजर में

## अभियान : पिंगला नदी का पूजन कर की आरती

**जावरा।** जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जन अभियान परिषद की नंवाकुर सस्था अटल ग्राम विकास सामाजिक संगठन द्वारा ग्राम रिंगनोद में पिंगला नदी की आरती कर पूजन किया एवं पिंगला नदी का जलाभिषेक किया। इस अवसर पर जल संरक्षण की शपथ दिलाई एवं जल संरक्षण के महत्व पर उपस्थित प्रतिभागियों से चर्चा की। कार्यक्रम में विकास खण्ड समन्वयक युवराजसिंह पवार, अटल ग्राम विकास सामाजिक संगठन अध्यक्ष अभय कोठारी, प्रस्फुटन समिति रिगनोद अध्यक्ष सुरेश लुनेरिया, गोदीशंकर अध्यक्ष जितेन्द्रसिंह सिसोदिया, गोठडा अध्यक्ष गोपालसिंह, जनपद जावरा पंचायत समन्वयक गणेश जोशी, जगदीश उपमन्यु, वीरेन्द्रसिंह चौहान, दिलीप दसेडा, मनोज मेहता, रमेश मनोहरा, मनोहरसिंह चौहान, महेश शर्मा, अर्पित त्रिवेदी, शंकरलाल मोदी, शेलेन्द्रसिंह, कालुराम पोरवाल, अंकित ठाकुर, सचिव राजेन्द्र रावल, आदि उपस्थित थे।

## आत्मबोध से विश्वबोध का अर्थ है विश्व को अपने ही समान समझने की चेतना यात्रा

**जावरा।** आत्म विस्मृत राष्ट्र खंडित हो जाता है, स्व बोध भारत बोध आत्म बोध का पुन: जागरण भारत को पुन: परम वैभव की स्थिति में पहुंचाने के लिए आवश्यक है। आत्म बोध से विश्व बोध की यात्रा निरंतर चलती रहती हैं। आत्म बोध से प्रेम और करुणा में वृद्धि होगी परिणाम स्वरूप विश्व बंधुत्व की भावना दृढ़ होगी,जिससे सामाजिक समरसता बढ़ेगी, सामंजस्य स्थापित होगा। भारत की खंडित करने वाली शक्तियां सांस्कृतिक मार्क्सवाद, कट्टर इस्लामी मानसिकता, धर्मांतरण को आतुर मिशनरीज, डीप स्टेट तथा वैश्विक मार्केट फोर्सेज के प्रयासों को असफल करने के लिए साहित्यकारों को राष्ट्र प्रेम बढ़ाने वाली, एकता स्थापित करने वाली,सामाजिक समरसता को बढ़ाने वाली, पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करने वाले, नागरिक अनुशासन को प्रवृति में लाने वाले साहित्य का सृजन करना होगा। साहित्यकारों की भारत की श्रेष्ठ एवं कालजई पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। उक्त विचार अखिल भारतीय साहित्य परिषद के मालवा प्रांत अध्यक्ष त्रिपुरारीलाल शर्मा ने आत्म बोध से विश्व बोध के व्याख्यान में अभिव्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आत्मबोध से विश्वबोध का अर्थ है स्वयं को जानने (आंतरिक चेतना) के बाद संपूर्ण विश्व को अपने ही समान (वसुधैव कुटुंबकम) समझने की चेतना यात्रा, यह मैं से हम की ओर जाने की प्रक्रिया है, जहाँ आत्म-ज्ञान, लोक कलाओं और परंपराओं (भारत बोध) के माध्यम से व्यक्ति व्यापक सामाजिक और वैश्विक कल्याण के लिए कार्य करता है। मां शारदे, भारत माता पूजन और सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। संघ गीत अनिल पावेचा ने सुनाया। अतिथि स्वागत अध्यक्ष डॉ प्रकाश उपाध्याय, सचिव राजेंद्र श्रोत्रिय, कोषाध्यक्ष राम चेंचलानी, बाबूलाल नाहर, रमेश मनोहरा ने किया। शहर के प्रबुद्ध लोगों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

## घर से 200 फीट दूर मिली नाबालिग की लाश

**▶ किशोरी के गले के दुपट्टा में गांठ लगी थी**

नवभारत न्यूज

**रतलाम।** जिले के सरवन थाना क्षेत्र के सेमलखेड़ा ग्राम पंचायत के एक गांव में 17 वर्षीय नाबालिग किशोरी का शव घर से महज 200 फीट दूर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। किशोरी के गले में दुपट्टा लिपटा हुआ था, जिसमें गांठ लगी थी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

परिजनों के अनुसार, बुधवार रात गांव में पारिवारिक कार्यक्रम था, जिसमें दोनों बेटियां शामिल होने गई थीं। घर पर मां, छोटा भाई और दादा-दादी मौजूद थे, जबकि पिता गेहूं काटने मजदूरी पर गए थे। गुरुवार सुबह करीब 4 बजे लौटने पर पता चला कि बड़ी बेटी घर नहीं पहुंची है।

खोजबीन के दौरान छोटी बेटी ने बताया कि उसकी बहन को चार युवक अपने साथ ले गए थे। पिता ने बताए गए नामों के आधार पर चारों युवकों को पकड़कर घर लाया और पूछताछ की। आरोप है कि पूछताछ के दौरान युवकों ने किशोरी के घर की ओर रास्ते में होने की बात कही। इसके बाद तलाश करने पर घर से करीब 200 फीट दूर जमीन पर किशोरी का शव मिला।

पिता ने बेटी के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि यदि यह आत्महत्या होती तो शव पेड़ पर मिलता, जबकि वह जमीन पर पड़ा मिला। चार आरोपियों में से तीन मौके से फरार हो गए, जबकि एक को पकड़कर पुलिस को सौंपा गया है। एएसपी विवेक कुमार लाल ने बताया कि मामला संदिग्ध है और सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

## वर्षगांठ पर 5 दिवसीय शिवशक्ति यज्ञ 23 से

**जावरा।** धाकड समाज के एल्या परिवार द्वारा चैत्र नवरात्रि के अवसर पर अपने कुल भैरव व कुल की सती माता के मंदिर की चतुर्थ वर्षगांठ के उपलक्ष्य में पांच दिवसीय यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। स्थानीय ईदगाह रोड पर स्थित भैरुजी के मंदिर पर सोमवार 23 मार्च से आयोजित पंच दिवसीय एक कुण्डात्मक शिवशक्ति यज्ञ के दौरान विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न होंगे। इसी क्रम में यज्ञ के प्रथम दिन नया माली पूरा स्थित मठ मन्दिर से प्रात: 8.30 बजे कलश यात्रा प्रारंभ होगी। इसी दिन मंडप प्रवेश व अग्नि स्थापना कार्यक्रम होंगे।

## तालाब निर्माण निरस्त होने पर ग्राम बोरदा में धरना

**▶ जिपं उपाध्यक्ष निनामा सहित ग्रामीणों का विरोध**

नवभारत न्यूज

**सैलाना।** विकासखंड की ग्राम पंचायत बोरदा में प्रस्तावित तालाब निर्माण कार्य निरस्त किए जाने के विरोध में ग्रामीणों का आक्रोश सामने आया है। इसी के चलते जिला पंचायत उपाध्यक्ष केशुराम निनामा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने ग्राम बोरदा में धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

निनामा का कहना है कि तालाब निर्माण से क्षेत्र में जल संकट की समस्या काफी हद तक दूर हो सकती थी, लेकिन कार्य निरस्त होने से गांव के विकास को बड़ा झटका लगा है। धरने पर बैठे लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस निर्णय को वापस लिया जाए और तालाब

निर्माण कार्य पुन: शुरू किया जाए।

धरने के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और सभी ने एकजुट होकर अपनी आवाज उठाई। धरने पर बैठे लोगों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। बता दे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 29 फरवरी 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस कार्य का लोकार्पण किया था। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी शामिल हुए थे। इस तालाब के निर्माण से इलाके के किसानों को काफी फायदा मिलता और कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी।

## मामूली बात पर लठ और लोहे के टामी से हमला,मौत

**▶ मामले में पुलिस ने एक नाबालिग सहित सात आरोपियों को किया गिरफ्तार**

**रतलाम।** जिले के बिलपांक थाना क्षेत्र में बुधवार रात मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। बदमाशों ने दो ट्रक ड्राइवर भाइयों पर लाठी और लोहे की टामी से हमला कर दिया, जिसमें छोटे भाई की मौत हो गई, जबकि बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने एक नाबालिग सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार घायल उदय सिंह तंवर (40) निवासी बड़ी सादड़ी, जिला चित्तौड़ (राजस्थान) ने बताया कि वह और उसका छोटा भाई भगवान सिंह (39) ट्रक चालक हैं। दोनों अलग-अलग ट्रकों से माल लेकर अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे। रास्ते में मानपुर के पास दोनों मिले और फिर आगे बढ़े। रात करीब 9:30 बजे सातरुंडा से रतलाम की ओर जाते समय एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक ट्रकों के आगे-पीछे चलकर कट मारने लगे। बाद में रात करीब 10 बजे बिलपांक फंटे के पास दोनों भाई चाय पीने रुके। इसी दौरान बाइक सवार युवक वहां पहुंचे और ट्रक से पानी निकलने की बात को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने अपने साथियों को बुला लिया। थोड़ी ही देर में अन्य युवक भी मौके पर पहुंच गए। सभी ने मिलकर दोनों भाइयों पर लाठी और लोहे की टामी से हमला कर दिया, जिससे दोनों गंभीर घायल हो गए। उन्हें तत्काल मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान भगवान सिंह की मौत हो गई, जबकि उदय सिंह का इलाज जारी है। सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अस्पताल में भर्ती है। सभी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच जारी है।

**इन्हें किया गिरफ्तार:** घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और तत्परता दिखाते हुए वारदात को अंजाम देने वाले एक 16 वर्षीय नाबालिग सहित सात आरोपी भरत पिता बाबूलाल भूरिया (40) निवासी चिकलिया, रोहित पीतम रामेश्वर निनामा (19), रामेश्वर पिता शोभाराम निनामा (50, जगदीश पिता शोभाराम निमा (45), कन्हैया पिता रामेश्वर निनामा (21), तुलसीराम पिता धूलजी (28) को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एक आरोपी अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## रतलाम टीबी यूनिट में डब्ल्यू एच ओ कंसल्टेंट ने मरीजों का वैलिडेशन किया

**रतलाम।** प्रधानमंत्री टी बी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत रतलाम जिले की टीबी यूनिट आलोट, रतलाम तथा बाजना में निरीक्षण और वैलिडेशन (सत्यापन) कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अभियान का उद्देश्य टीबी मरीजों को मिल रहे उपचार की गुणवत्ता की जांच करना और डेटा का सटीक सत्यापन करना है। कार्यक्रम का नेतृत्व विश्व स्वास्थ्य संगठन के कंसल्टेंट मेडिकल कॉलेज डॉ. संकल्प राज चौधरी, मेडिकल कॉलेज डॉ धुर्वेंद्र पांडे तथा जिला क्षय अधिकारी डॉ अभिषेक अरोरा ने किया। जिले के आलोट, बाजना, रतलाम टीबी यूनिट क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर से नामांकित टीबी मरीज के वैलिडेशन की प्रक्रिया की गई। निरीक्षण में कार्यक्रम समन्वयक जय सिसोदिया, विकास खण्ड सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर राहुल पाटीदार, घनश्याम परमार, शैलेंद्र भूरिया, ग्राम सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, आशा कार्यकर्ता उपस्थित थी। ऑनलाइन, फिजिकल डेटा मिलान संबंधित जानकारी राष्ट्रीय स्तर सत्यापन के ऑनलाइन टूल पर फील्ड में मरीज और उनके परिजनों को पोषण,नियमित जांच के महत्व के बारे में भी जागरूक किया।

## 31 को बरबड़ हनुमान मंदिर का झांकियों के साथ निकलेगा संयुक्त अखाड़ा

**▶ -29 व 30 मार्च को चंटिया रास का आयोजन**

नवभारत न्यूज

**रतलाम।** महापौर प्रहलाद पटेल की पहल पर नगर निगम द्वारा 29 मार्च से 2 अप्रैल तक आयोजित पांच दिवसीय बरबड़ हनुमान मेले के तहत 31 मार्च मंगलवार को राम मंदिर से बरबड़ हनुमान मंदिर हनुमानजी की भव्य झांकी, बैण्ड-बाजे के साथ संयुक्त अखाड़ा निकाला जायेगा।

उक्त आयोजन हेतु महापौर प्रहलाद पटेल ने रतलाम नगर के अखाड़ा संचालक/उस्ताद आदि की बैठक लेकर बरबड़ हनुमानजी की झांकी, चल समारोह हेतु विचार प्राप्त किये सभी ने एकमत से तय किया कि एक ही बैनर तले बरबड़ हनुमान की झांकी, चल समारोह 31 मार्च को निकाला जायेगा जिसमें विभिन्न अखाड़ो के पहलवान शस्त्र कला का प्रदर्शन करेंगे।

महापौर प्रहलाद पटेल ने बताया कि 1970 में संयुक्त अखाड़ा निकाला गया था इसके बाद पहली बार 31 मार्च को राम मंदिर से बरबड़ हनुमानजी को रथ में बैठाकर झिलमिलाती झांकियों, बैण्ड-बाजे, ढ़ोल के साथ अखाड़ा निकाला जायेगा। झांकी, चल समारोह पश्चात अखाड़ा संचालक व उस्तादों का सम्मान किया जायेगा। उन्होने बताया कि पांच दिवसीय बरबड़ हनुमान मेले में 29 व 30 मार्च को चंटिया रास का आयोजन किया गया है, दो दिवसीय चंटिया रास में विजेताओं को पुरस्कृत किया जायेगा। आयोजित बैठक में सामान्य प्रशासन समिति प्रभारी धर्मेन्द्र व्यास, मुकेश पहलवान उस्ताद, कालू रोतेला अध्यक्ष श्री राधाकृष्ण व्यायाम शाला, भरत कुमावत, शंकर कुमावत उस्ताद, निर्मल कुमावत संचालक कुमावत हिन्द व्यायाम शाला, सत्यनारायण शर्मा, घनश्याम परमार, दिनेश पहलवान उस्ताद कार्तिक अखाड़ा, कैलाश पहलवान, राम पहलवान उस्ताद कल्याण गुरू व्यायाम शाला, पप्पू मेहता, परमानन्द पहलवान उस्ताद, कैलाशजी कार्यकर्ता, महावीर पहलवान उस्ताद आदर्श व्यायामशाला, शक्तिसिंह सोलंकी, धर्मेन्द्र व्यास आरोग्य हिन्द व्यायामशाला आदि उपस्थित थे।

## नीम शरबत से हुई नववर्ष की शुरुआत, मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

नवभारत न्यूज

**रतलाम।** हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2083 की शुरुआत गुरुवार से हर्षोल्लास के साथ हुई। इसी के साथ चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ भी हो गया। नववर्ष के अवसर पर शहरभर में विशेष उत्साह देखा गया। कई स्थानों पर सामाजिक संगठनों एवं संस्थाओं द्वारा नीम के शरबत का वितरण किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर इसका सेवन कर दिन की शुरुआत की। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। अति प्राचीन श्री कालिका माता मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। चैत्र नवरात्रि के शुभ मुहूर्त में मंदिर में घट स्थापना की गई शहर के अन्य मंदिरों में भी दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही।

**तिलक लगाकर दी नववर्ष की शुभकामनाएं**

हिन्दू नववर्ष गुड़ी पड़वा के पावन अवसर पर गुरुवार को शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा शहीद चौक पर स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुबह 8 बजे शहर कांग्रेस अध्यक्ष शांतिलाल वर्मा के नेतृत्व में शहरवासियों का नीम शरबत व मिश्री वितरित की व तिलक लगाया। इस अवसर पर उपस्थितजनों को नववर्ष, चैत्र नवरात्रि, गुड़ी पड़वा के साथ ही बोहरा समाज एवं मुस्लिम समाज के पर्व ईद की भी शुभकामनाएं दी गईं। पूर्व अध्यक्ष महेंद्र कटारिया, पार्षद यास्मीन शेरानी, भावना पेमाल, कमरुद्दीन कछुवाया, राजीव रावत, प्रदीप राठौर, विजय उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

### एक नजर में

**दो वक्त की रोटी के लिए दूर-दूर तक भटकना हमारी मजबूरी है**

## कड़ी मेहनत के बावजूद परिवार का गुजारा मुश्किल, झूला-चकरीवालों ने सुनाई आपबीती

नवभारत न्यूज

**जावरा।** मार्च दो वक्त की रोटी के लिए दूर-दूर तक भटकना हमारी मजबूरी है। कडी मेहनत के बावजूद परिवार का गुजारा मुश्किल से होता है। पर करें भी तो क्या, यही हमारा पुश्तैनी धंधा है। इस काम को हम लोग पीडी दर पीडी करते आ रहे हैं। यह बातें चेहरे पर मायूसी लिए झूला-चकरी वालों ने मंगलवार को यहां ईदगाह के सामने इस संवाददाता को बताई। बच्चों के मनोरंजन हेतु ईदगाह परिसर में झूले-चकरी लगा रहे आजम पिता दिलदार खां और शकील पिता पिल्लू खां से रूबरू हो उनके काम-धंधे को गहराई से समझने की कोशिश की गई तो उन्होंने बताया कि उनके पास खेती-बाडी नहीं होने से रोजी-रोटी के चक्कर में मेले-ठेले में झूला-चकरी लगाकर कमाने जाना पडता है। यही हमारे रोजगार का मुख्य साधन है। हमारे पूर्वज यही काम करते-करते मर खप गए। यही वजह है कि हम भी उनका अनुसरण करते हुए मेले में झूला-चकरी व नाव लगा बच्चों का मनोरंजन करते हैं। इसी

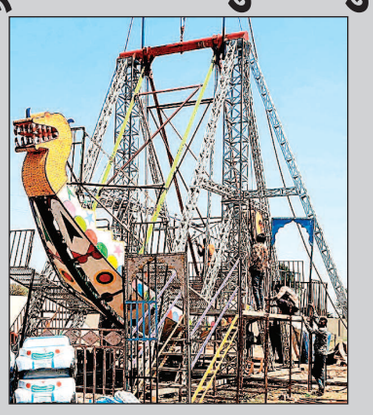

से हमारे घर-परिवार की आजीविका चलती है। हालांकि काफी मशक्कत के बाद भी इतनी कमाई नहीं हो पाती। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि यहां (ईदगाह) तीन से चार घंटे का धंधा रहेगा। लेकिन हम लोग दो दिन पहले से झूले, चकरी खडे करने में जुटे हुए हैं।

इनका कहना है कि आसपास के ग्रामीण अंचलों में थोडे-थोडे दिनों के अंतराल से आयोजित होने वाले मेलों के कारण उनको ज्यादा परेशानी नहीं होती है। पिपलौदा के समीप निनोर कस्बे से मेला निपटा कर यहां पहुंचे झूला-चकरी संचालकों ने बताया कि कुछ दिन बाद पास के गांव भीमाखेडी में हनुमान जयंती पर मेले का आयोजन होना है तो हम लोग वहां चले जायेंगे। राजस्थान के अजमेर जिले थाटुटी गांव के रहने वाले इन लोगों के मुताबिक ईदगाह परिसर में चार चकरियाँ, एक झूला, चार सीट का व एक लोहे की नाव बच्चों के मनोरंजन हेतु लगाई गई है। वैसे ये लोग गांव, कस्बों के अलावा इंदौर, भोपाल जैसे शहरों में भी यही काम कर चुके हैं।

### शक्तिपीठ सेमलिया धाम में प्रतिदिन होंगे आयोजन

**कालूखेड़ा।** सिद्ध पीठ माँ अन्नपूर्णा शक्तिपीठ, सेमलिया धाम में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर 19 मार्च से धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन प्रारंभ हुआ। 27 मार्च तक प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, गरबा महोत्सव, विशाल मेला एवं महायज्ञ के आयोजन होंगे। शक्तिपीठ में पिछले कई वर्षों से अखंड एवं अनवरत महायज्ञ का आयोजन पूज्य 1008 स्वामी महामंडलेश्वर मधुसूदनानंद महाराज के सान्निध्य में निरंतर संचालित हो रहा है। नवरात्रि के इस पावन अवसर पर दूर-दूर से श्रद्धालुजन माता के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु उपस्थित होंगे। आयोजकों द्वारा सभी भक्तों से अपील की गई है कि वे अपने परिवार सहित पधारकर माँ अन्नपूर्णा के चरणों में श्रद्धा अर्पित करें लाभ उठाएं। साथ ही परिवार के कल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना से नारियल अर्पित करने का भी आग्रह किया गया है। जानकारी माँ अन्नपूर्णा शक्तिपीठ सेमलिया पब्लिक चेरीटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष संतोष मेडतवाल (एडवोकेट) द्वारा दी गई।